मुद्रास्फीति

आपकी मुद्रास्फीति

हर हफ्ते मुद्रास्फीति की दर का आंकड़ा आता है। इसके उछाल से बवाल शुरू हो जाता है। इसके सात फीसदी के ऊपर आते ही हायतौबा मचनी शुरू हो गई है। लेकिन कभी आपने सोचा है कि इसका आपके लिए क्या मतलब है। अगर नहीं तो नीचे दिए सुझाव पर अमल करते हुए अपनी मुद्रास्फीति की दर निकालिए। इसके बाद अंदाजा लगाइए कि आपको कितना भ्रमित किया जा रहा है और आप लगातार कितनी मुश्किलों में फंसते जा रहे हैं।

खर्च को जोड़ें

सबसे पहले कागज-कैलकुलेटर लें। फिर सब्जी-तेल, चायपत्ती-दूध, और सब्जी का खर्च जोड़ें। खर्च में घर में काम करने वाले लोगों का वेतन जोड़ें। अखबार और मैग्जीन के अलावा घर के बाहर मनोरंजन का खर्च जोड़ें। इसके बाद बच्चों का खर्च इसमें शामिल करें। इसमें फीस, कापी-किताबें और बस का खर्च शामिल है। इसके बाद महंगाई के नाम बढ़ी ब्याज दरों का हिसाब लगाएं। इसके अलावा अगर आपके कोई और जरूरी खर्च हों तो उन्हें लिखें और जोड़ लें।

पिछले साल का हिसाब देखें

पिछले साल इन सब कामों पर कुल कितना खर्च आया था यह जानना कठिन नहीं है। ऐसा इस लिए कि आपको मोटा मोटा पता है कि आपने इन सब मदो में कितना पैसा खर्च किया था।

खर्च का अंतर

चालू साल में होने वाले खर्च में से पिछले साल का खर्च घटा दें। यह अंतर ही आपकी मुद्रास्फीति है। अगर आपका खर्च पिछले साल दो लाख रुपए था और चालू साल में यह ढाई लाख हो जाएगा तो आपके लिए मुद्रास्फीति की दर २५ फीसदी मानी जाएगी न कि सरकारी दर सात फीसदी।

इसका मतलब समझें

अगर आपके खर्च २५ फीसदी की दर से बढ़ रहे है और कमाई भी इसी दर से बढ़ रही तो आपके लिए महंगाई का बढ़ना मार नहीं है।लेकिन आमतौर पर देश में लोगों की कमाई इस हिसाब से नहीं बढ़ रही है। ऐसे में माना जा सकता है कि आप वित्तीय संकट में घिर रहे हैँ। अब सिर्फ दो ही रास्ते है या तो कमाई बढ़ाएं या खर्च पर कैंची चलाएँ। जो भी करना है आपको ही करना है, संसद की बहस से आपकी समस्या हल होने वाली नहीं है।

विनय कुमार मिश्र

बोले हिन्दुस्तान

यदि आप उड़ान और मंत्र कॉलम में कोई जानकारी चाहते हैं तो लिखें TAIYARI स्पेस के बाद अपना मैसेज हमें ५४२४२ पर एसएमएस करें।